माखन मिश्री का दीवाना मेरा श्याम , चुरावे माखन गोकुल में

माखन मिश्री का दीवाना मेरा श्याम , चुरावे माखन गोकुल में ,
मटकी माखन की फोड़े घनश्याम , चुरावे माखन गोकुल में ,

ग्वालो की एक टोली बनाई , जिसके मुखिया श्याम ,
रोज रोज माखन चुरावे , गोकुल में घनश्याम ,
केसी लीला दिखावे मेरा श्याम , चुरावे माखन गोकुल में ,

माखन मिश्री का दीवाना मेरा श्याम , चुरावे माखन गोकुल में ,
मटकी माखन की फोड़े घनश्याम , चुरावे माखन गोकुल में ,

सारे जग का पालनहारा , लीला अजब है करता ,
मटकी से माखन को चुराने , ग्वालो के ऊपर हैं चढ़ता ,
केसी लीला दिखावे मेरा श्याम , चुरावे माखन गोकुल में ,

माखन मिश्री का दीवाना मेरा श्याम , चुरावे माखन गोकुल में ,
मटकी माखन की फोड़े घनश्याम , चुरावे माखन गोकुल में ,

कभी कभी जो पकड़ा जाता , बन जाता भोला भाला ,
भोली सी सूरत बना के , सबको छलता नन्द का लाला ,
केसी लीला दिखावे मेरा श्याम , चुरावे माखन गोकुल में ,

माखन मिश्री का दीवाना मेरा श्याम , चुरावे माखन गोकुल में ,
मटकी माखन की फोड़े घनश्याम , चुरावे माखन गोकुल में ,

Bhajan Lyrics - Jay Prakash Verma, Indore

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36653/title/makhan-mishri-ka-diwana-mera-shyam--churawe-makhan-gokul-mein

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |